BPYG-172

सत्रीय कार्य

(जनवरी **2025 एवं जुलाई 2025** सत्र के लिये)

BPYG-172 धर्म दर्शन

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- 110068

BPYG-172 धर्म दर्शन

सत्रीय कार्य (2025-26)

पाठ्यक्रम शीर्षक- धर्म दर्शन

पाठ्यक्रम कोड : BPYG-172 /2025-26

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है । सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं । सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे ।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं । यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें ।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए ।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए ।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ:

जनवरी, 2025 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2025

जुलाई, 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2026

पाठ्यक्रम कोड: BPYG-172
असाइनमेंट कोड: BPYG-172/ASST/TMA/2025-26
अंक: 100

BPYG-172 धर्म दर्शन
(सामान्य पाठ्यक्रम)

नोट:

1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।
2. सभी पाँच प्रश्न समान अंक के हैं।
3. प्रश्न संख्या 1 और 2 का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दें।

प्रश्न:

1. धार्मिक भाषा की व्याख्या के लिए गैर-आशयात्मक (Non-assertive) दृष्टिकोणों की श्रेणियाँ क्या हैं? (20)

अथवा

धर्म की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर संक्षेप में चर्चा करें। (20)

2. धार्मिक अनुभव पर विलियम जेम्स के विचारों का समालोचनात्मक विश्लेषण करें। (20)

अथवा

अशुभ की प्रमाणिक समस्या (Evidential Problem of Evil) पर एक टिप्पणी लिखें। . (20)

3. निम्नलिखित में से किसी दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दें। (2×10=20)

a) तार्किक समस्या (Logical Problem) पर एक टिप्पणी लिखें। (10)

b) रुडोल्फ ओट्टो ने धार्मिक अनुभव की वैधता को कैसे प्रमाणित किया? संक्षेप में चर्चा करें। (10)

c) भारतीय धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या करें। (10)

d) धर्म के विकास के विभिन्न रूप क्या हैं? (10)

4. निम्नलिखित में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें। (4×5=20)

a) धर्म और धर्म दर्शन के बीच संबंध को संक्षेप में चर्चा करें। (5)

b) अज्ञेयवाद (Agnosticism) की चुनौतियों पर संक्षेप में चर्चा करें। (5)

c) सूक्ष्म समायोजन तर्क (Fine-tuning Argument) पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। (5)

d) एकेश्वरवाद (Monotheism) की मूल धारणाओं पर एक टिप्पणी लिखें। (5)

e) नास्तिकता (Atheism) की चुनौतियों पर संक्षेप में चर्चा करें। (5)

f) सर्वेश्वरवाद (Pantheism) की मूल धारणाओं पर एक टिप्पणी लिखें। (5)

5. निम्नलिखित में से किसी पाँच विषयों पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। (5×4=20)

a) धार्मिक अंतर-संवाद (Religious Inter-dialogue) (4)

b) अद्वैतवाद (Monism) (4)

c) मिथक (Myth) (4)

d) परम ज्ञान के स्रोत के रूप में रहस्योद्घाटन (Revelation as the source of ultimate knowledge) (4)

e) अशुभ की समस्या (Problem of Evil) (4)

f) सर्वकल्याणकारी (Omnibenevolent) (4)

g) धार्मिक कट्टरता (Religious Fundamentalism) (4)

h) दैववाद (Deism) (4)